‘विश्वविद्यालयों के आचार्य नवाचारों से विद्यार्थियों को लाभान्वित करें’

कोटा विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। कोटा विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को सिआम ऑडिटोरियम में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समारोह में स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि भारतीयों की प्रतिभा का लोहा विश्व मानता है। अत: आज जो पदक और उपाधि मिली हैं उसका उपयोग युवा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में करें। उन्होंने कहा कि वही समाज और राष्ट्र आगे बढ़ ता जहां शिक्षा का प्रसार होता हैं। बागडे ने कहा कि यह बहुत बड़ा संयोग है कि कोटा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह बसंत पंचमी, विद्या की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस पर मनाया जा रहा है। बसंत पंचमी जीवन में नवीन ऊर्जा और आनंद का संचार करती है। मां सरस्वती से आशीर्वाद लेकर शिक्षा से जीवन को उन्नत करने का भी पावन पर्व हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल सूचना देना नहीं बल्कि व्यक्तित्व का उत्कर्ष करना है। व्यक्तित्व का उत्कर्ष तभी होगा जब पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को जीवन व्यवहार की शिक्षा भी दी जाए। शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति को एक अच्छा मनुष्य बनाना है जो श्रेष्ठ जीवन मूल्यों से समन्वित हो। नई शिक्षा नीति इसी आलोक में तैयार की गई है जिसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया हैं। बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालयों के आचार्य नित-नए ज्ञान से अपने विद्यार्थियों को लाभान्वित करें।

कोटा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने स्वर्ण पदक व उपाधियां प्रदान की ।

- समारोह में स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने की उनके उज्जवल भविष्य की कामना

विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच विकसित की जाए और फीडबैक लेने का मैकेनिज्म तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षक पाठ्यक्रम से जुड़े प्रश्नों का गहराई से विश्लेषण करते हुए विद्यार्थियों से सवाल पूछें और उनकी प्रतिक्रिया लें। इससे बच्चों में उत्साह बढ़ ता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ ावा देने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि आज नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 130वीं जयंती भी है। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की स्मृति को मैं नमन करता हूं। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आज जो विद्यार्थी यहां से उपाधि और पदक लेकर जा रहे हैं उनका जुड़ाव हमेशा इस विश्वविद्यालय से बना रहे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रथम की भावना सदैव विद्यमान रहनी चाहिए। इसी भावना से वे भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। विद्यार्थी नौकरी करने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनकर अपने कौशल से नए स्टार्टअप शुरू करें।

उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन समय से उच्च शिक्षा का केन्द्र रहा है। यहां नालन्दा और तक्षशीला जैसे गुरुकुल थे जहां देश-विदेश से हजारों विद्यार्थी अध्ययन करने आते थे। उन विद्यार्थियों को यहां जीवन का मर्म समझने का मौका मिलता था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने कुलपति का नाम परिवर्तित कर कुलगुरू किया है।

पत्नी व मासूम बेटे के हत्यारे आरोपी पति को दोषी मानते हुए सुनाया मृत्युदंड

कोटा, (निसं)। कुल्हाड़ी से पत्नी व अबोध छह महीने के बेटे की नृशंस हत्याकांड के लगभग पांच साल पुराने मामले मे एडीजे क्रम-2 न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए हत्या के मामले मे पकड़े गये आरोपी पति का दोषी मानते हुए मृत्यु दंड से दंडित किया। एडीजे क्रम-2 न्यायालय की न्यायाधीश सरीता धाकड़ ने महिला व उसके मासूम बेटे की हत्या के मामले में पकड़े आरोपी पिन्टु डागर को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई साथ ही 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

- जून 2021 महीने में कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी व छह माह के अवोध बेटे की थी नृशंस हत्या
- रामपुरा कोतवाली के भाटापाड़ा इलाके का था मामला
- महिला व उसके मासूम बेटे की हत्या के मामले में पकड़े आरोपी पिन्टु डागर को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई साथ ही 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया

हत्यारा दोषी पिन्टु डागर

आरोपी ने जून 2021 में कुल्हाड़ी से वार कर अपनी पत्नी सीमा और छ महीने के बेटे अविनाश उर्फ राजवीर की नृशंस हत्या की थी। अपर लोक अभियोजक भारत सिंह आसावत ने बताया कि 1 जून 2021 को फरियादी प्रदीप कुमार ने रामपुरा कोतवाली में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि उसकी बड़ी बहन सीमा की शादी भाटापाड़ा रामपुरा निवासी पिन्टु डागर के साथ की थी। रिपोर्ट में कहा कि शाम के समय किसी परिचित ने फोन करके उसे बताया कि उसके जीजा पिन्टु ने उसकी बहन सीमा के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिस पर वह मौके पर पहुंचा जहां पता चला कि उसकी बहन को पुलिस एमबीएस अस्पताल लेकर गई है। रिपोर्ट में कहा कि जब एमबीएस अस्पताल पहुंचा तो वहां डॉक्टर ने जांच के बाद सीमा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया।

वही फरियादी ने दूसरी रिपोर्ट 2 जून 2021 को दी, जिसमे कहा कि उसके जीजा पिन्टु ने उसके मासूम भांजे अविनाश उर्फ राजवीर को मारने की नियत से कुल्हाड़ी से उस पर भी वार किया जिसकी जानकारी उसको पहले नही थी। उसके भांजे की भी अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर हत्या की धारा 302 में मामला दर्ज करते हुए महिला व उसके मासूम बेटे की हत्या के मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी पति पिन्टु डागर को गिरफतार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए पकड़े गये आरोपी के खिलाफ चालान पेश किया। मामले में पीठासीन अधिकारी ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी पिन्टु डागर को दोषी करार देते हुए मृत्यु दंड से दंडित किया।

कोर्ट ने कहा-पीठासीन अधिकारी सरिता धाकड़ ने फैसले में कहा कि मृतक सीमा व अविनाश उर्फ राजवीर का आरोपी पिन्टु डागर के साथ जो वैश्रासिक संबध था उसकी भी हत्या कर दी। रक्षक ही जब भक्षक बन जायेगा तो परिवार में कौन किसको बचायेगा।

कनिष्ठ रसायनज्ञ परीक्षा के 29को जारी होंगे प्रवेश-पत्र

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कनिष्ठ रसायनज्ञ (जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग) परीक्षा-2025 का आयोजन 1 फरवरी 2026 को जयपुर जिला मुख्याल य पर किया जाएगा। परीक्षा दोपहर 11 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित होगी। ओएमआर उत्तर पत्रक में पांचवें विकल्प को भरने के लिए अभ्यर्थियों को 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा के प्रवेश-पत्र 29 जनवरी 2026 को आयोग की वेबसाइट तथा एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। अभ्यर्थी आवेदन क्रमांक एवं जन्म-तिथि दर्ज कर आयोग की वेबसाइट के एडमिट कार्ड लिंक से प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपल्ब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल के माध्यम से भी प्रवेश-पत्र प्राप्त किए जा सकते हैं।

- 1 फरवरी को होगी परीक्षा

परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा जांच एवं पहचान प्रक्रिया में समय लगने की संभावना को देखते हुए अभ्यर्थियों को समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

पहचान के लिए अभ्यर्थियों को मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। आधार कार्ड पर फोटो अस्पष्ट या पुराना होने की स्थिति में अन्य मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। प्रवेश-पत्र पर भी नवीनतम रंगीन फोटो चस्पा करना अनिवार्य है।

सड़क दुर्घटना में अग्निवीर सैनिक की मौत

3 महीने बाद छुट्टी पर घर लौट रहा था सैनिक

भरतपुर,(निस)। भरतपुर जिले के चिकसाना थाना क्षेत्र में एक अग्निवीर सैनिक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अग्निवीर सैनिक पुष्पेन्द्र सिंह का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। परिजन तुरंत उसे भरतपुर जिला आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर में उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार अग्निवीर सैनिक पुष्पेंद्र सिंह 3 महीने बाद छुट्टी लेकर अपने घर जा रहा था। चिकसाना थाना क्षेत्र के गांव पीपला से लगभग 3 किलोमीटर दूर सैनिक का शव सड़क किनारे पड़ा मिला।

सैनिक के परिजनों ने बताया है की उसे किसी वाहन ने टक्कर मारी है। पुष्पेंद्र सिंह लगभग 3 साल पहले अलवर जिले से अग्निवीर सेना में भर्ती हुआ था। अभी पुष्पेंद्र की पोस्टिंग ग्लेशियर सियाचिन में थी। मृतक सैनिक के ताऊ शेर सिंह ने बताया कि मेरा भतीजा पुष्पेंद्र (22) चिकसाना थाना क्षेत्र के पीपला गांव का रहने वाला था। वह 3 साल पहले ही अग्निवीर में भर्ती हुआ था। पुष्पेंद्र कल 3 महीने बाद छुट्टी लेकर घर आ रहा था।

- गांव से 3 कि.मी. दूर मिला अग्निवीर सैनिक का शव
- मथुरा से परिजनों को फोन कर कहा था कि डेढ़ घंटे में घर पहुँच रहा हूं

पुष्पेंद्र ने कल शाम 7 बजे मथुरा से अपने पिता विजय सिंह को फोन पर बताया की वह मथुरा पहुंच गया है। करीब डेढ़ घंटे बाद वह घर आ जायेगा। परिजन पुष्पेंद्र के आने का इंतजार कर रहे थे। रात के 10 बजे तक पुष्पेन्द्र घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता होने लगी पुष्पेन्द्र का फोन स्विच ऑफ़ आ रहा था।

परिजन पुष्पेन्द्र को देखने निकले तो सड़क किनारे पुष्पेंद्र का शव पड़ा मिला। परिजनों ने पास जाकर देखा तो, वहां काफी खून बिखरा हुआ था। परिजन तुरंत पुष्पेंद्र को लेकर आरबीएम अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुष्पेन्द्र के पिता विजय सिंह एक किसान हैं। पुष्पेंद्र की अभी शादी नहीं हुई थी। पुष्पेंद्र का एक बड़ा भाई है रूपेंद्र है जो, जिसकी पीपला बस स्टेंड के पास परचून की दुकान है। साथ ही पुष्पेंद्र की एक 18 साल की छोटी बहन है। जिसकी शादी नहीं हुई है।

आधुनिक तकनीक और जैविक खेती से बढ़ी आय

डीडवाना, (निसं)। जिले के मीठडी गांव के प्रगतिशील कृषक देवकरण कुमावत ने आधुनिक तकनीक एवं जैविक तरीकों को अपनाकर स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू कर क्षेत्र में एक सराहनीय एवं नवाचारी पहल की है। उनका यह प्रयास न केवल उनकी आय में वृद्धि कर रहा है, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी एक प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभरा है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक हरिओम सिंह राणा ने बताया कि देवकरण कुमावत ने लगभग एक बीघा क्षेत्रफल में स्ट्रॉबेरी की खेती की है, जिसमें विंटर डॉन एवं कैम्ब्रिजा किस्मों के कुल 3000 पौधे लगाए गए हैं। फसल उत्पादन के लिए 12 बेड तैयार किए गए हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 200 फीट है। यह उनकी पहली स्ट्रॉबेरी फसल हैं, जो वर्तमान में सफलतापूर्वक उत्पादन अवस्था में है। कृषक द्वारा स्ट्रॉबेरी की बिक्री 200 ग्राम के पैक में 50 की दर से की जा रही है, जिससे उन्हें अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है। वे जैविक खेती को प्राथमिकता देते हुए वर्मी कंपोस्ट, गोबर खाद एवं जैतिक पौषक तत्वों का उपयोग कर रहे हैं। इससे पौधों की जड़ों का बेहतर विकास हो रहा है और फलों की गुणवत्ता भी उत्कृष्ट बनी हुई है।

- मीठड़ी गांव में आधुनिक तकनीक एवं जैविक तरीकों को अपनाकर स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू कर क्षेत्र में एक सराहनीय एवं नवाचारी पहल की है

गर्भवती महिला होमगार्ड ने किया सुसाईड

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम इलाके में एक गर्भवती महिला ने फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड़ कर लिया। जानकारी के अनुसार गुरूवार रात्रि को विवेकानन्द नगर निवासी नैना सिंह (23) ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया। महिला को जब फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा तो उसे नीचे उतार कर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका सात माह की गर्भवती थी। आरकेपुरम थानाधिकारी रामविलास मीणा ने बताया कि मामले में सामने आया कि किसी ना किसी बात को लेकर आये दिन दोनों पति-पत्नी के बीच अनबन होती थी। मृतका संविदा पर होमागार्ड की नौकरी करती थी, मृतका सात माह की गर्भवती थी जिसने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया।

चौराहो पर लगेंगी ट्रैफिक लाइटें, उल्लंघन पर ऑटोमैटिक कटेगा चालान

बीकानेर, (निसं)। स्मार्ट सिटी योजना के तहत बीकानेर को मिले 80 करोड़ रुपए से होने वाले कामों की सूची तैयार हो गई है। सूची में इतने भारी-भरकम काम लिए गए हैं कि यह राशि ही कम हो जाएगी। बावजूद इसके सार्वजनिक वाहन चार्जिंग सेंटर, जमीन के नीचे सभी तारों को एक डक्ट में शामिल करने, सीसीटीवी, चौराहों और सड़कों पर नई बत्तियां तथा सड़कों पर ट्रैफिक का उलूंघन करने पर ऑटोमेटिक चालान होने जैसे काम होंगे।

अगर सच में बीकानेर की दशा और दिशा सुधारनी है तो कम से कम 2000 करोड़ रुपए चाहिए। क्योंकि स्मार्ट सिटी योजना से जो 80 करोड़ रुपए मिले हैं, उससे हर क्षेत्र में एक-एक मॉडल काम ही तैयार हो पाएंगे। मगर मॉडल काम इक्का-दुक्का जगह ही बनेंगे, जबकि जरूरत पूरे शहर में है। कोटा में सरकार ने 5500 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। वहां काम नजर भी आता है।

बीकानेर में भी आमूल-चूल बदलाव और विकास के लिए कम से कम 2000 करोड़ रुपए तो चाहिए, तभी कुछ बदलाव देखा जा सकेगा। इस राशि से होने वाले कामों के लिए तमाम विभागों के अधिकारियों की एक टीम बनाई गई थी, जिसने पूरे शहर में होने वाले कामों की सूची तैयार की है। 21 जनवरी को कमेटी के सचिव और आरयूआईडीपी के एक्सईएन दीपक मांडन ने रिपोर्ट निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों को भेज दी है। अब यह रिपोर्ट जयपुर जाएगी और उसके बाद काम होने शुरू होंगे।

स्मार्ट हेरिटेज वॉक - जूनागढ़ किले, विरासत मार्ग आदि के लिए नागरिक ऐप और क्यूआर/एआर आधारित निर्देशित पर्यटन स्थल बनेगा।

हवेलियों को बुटीक कैफे और गैलरी में परिवर्तित करने के लिए काम होगा। शहर के द्वार और अन्य विरासत परिसरों का मुखौटा सुधार एवं लाइटिंग होगी।

टीटीई की तत्परता से गर्भवती महिला को समय पर मिला उपचार

अजमेर, (निसं)। अजमेर मंडल में कार्यरत ट्रेन टिकट एग्जामिनर की त्वरित कार्रवाई से चलती ट्रेन में एक गर्भवती महिला को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी। अजमेर मंडल के टीटीई मुकेश कुमार यादव ने मानवीय संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित उपचार दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव ने जानकारी देते हुए बताया कि टीटीई मुकेश कुमार यादव ने चलती ट्रेन में गर्भवती महिला को प्राथमिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई तथा अगले स्टेशन तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की। यात्रा कर रही महिला ललिता देवी को अचानक लेबर पेन शुरू हो गया। इसकी सूचना मिलते ही ऑन ड्यूटी टीटीई ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत नियंत्रण कार्यालय से संपर्क किया।

- टीटीई मुकेश कुमार यादव ने कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित उपचार दिलाने में अहम भूमिका निभाई

हमले में दो स्कूली छात्र घायल

उदयपुर, (निसं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षैत्र में स्थित फतह स्कूल के बाहर छात्रों के बीच हुई मारपीट में दो छात्र घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार दोपहर में फतह स्कूल के बाहर किसी बात को लेकर दो छात्रों के बीच कहासूनी हो गई। इस दौरान विवाद बढ़ ने पर दो छात्रों रोहित व अश्विन ने आवरीमाता कच्ची बस्ती निवासी महेश बावरी तथा साथी खटीकवाड़ा सूरजपोल निवासी गौरव खटीक पर हमला कर दिया। जिससे दोनों घायल हो गए। मामले में पुलिस ने पीडित आवरीमाता कच्ची बस्ती निवासी भेरूलाल बावरी की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

चार दुकानों से पांच सेल्समेन गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर में चार शराब की दुकानों पर मिलावट कर शराब बेचने के आरोप में पांच सेल्समेन को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन इनके लाइसेंसी दुकानदारों को अभयदान दे दिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय की ओर से आधा अधूरा प्रेसनोट जारी किया गया।

आबकारी अधिकारियों को फोन किए लेकिन किसी ने भी बात नहीं की। प्रेसनोट के अनुसार सेल्समेल सूरतगढ़ निवासी श्रवण कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद, सादुलशहर निवासी राजकुमार शर्मा पुत्र ओमप्रकाश शर्मा, निम्मांवाली निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र पन्ना राम, मांझुवास निवासी प्रेमचंद्र पुत्र जसवंत राम तथा श्रीगंगानगर में गणेश चौक निवासी सुरेश छिंपा पुत्र जुगल किशोर छिंपा को 21 जनवरी को गिरफ्तार कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया। शराब दुकानों से नाजायज शराब को जब्त किया है। स्टॉक के सैम्पल लेकर जांच को भिजवाए गए हैं।

- आबकारी अधिकारियों ने शराब दुकान संचालकों को दिया अभयदान

सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष से 35 करोड़ से अधिक का चढ़ावा मिला

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 17 जनवरी चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थित में छह चरणों में संपन्न हुई।

मंदिर अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया कि छठे चरण में हुई भंडार गिनती में 8 लाख 31 हजार 127 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व पांच चरणों में हुई गिनती में 28 करोड़ 59 लाख 82 हजार 41 रुपए नगद प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि अब छह चरणों की गिनती को मिलाकर कुल 28 करोड़ 68 लाख 13 हजार 168 रुपए की नगद प्राप्त हुए। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा भंडार व भेंटकक्ष से निकले सोने चांदी का तोल भी किया गया। भंडार व भेंटकक्ष से 592 ग्राम सोना व 112 किलो 723 ग्राम चांदी प्राप्त हुई।

- साथ ही 112 किलो चांदी व 592 ग्राम सोना भी प्राप्त हुआ
- शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थित में छह चरणों में संपन्न

सांवलिया जी सेठ की श्रंगारित प्रतिमा एवं नोटों के बंडल बनाते कर्मचारी।

अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से मनी ऑर्डर भेजकर,ऑनलाइन द्वारा एवं स्वयं उपस्थित होकर मंदिर कार्यालय में 06 करोड़ 72 लाख 80 हजार 145 रुपए भेंट जमा किए। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष कार्यालय से कुल 35 करोड़ 40 लाख 93 हजार 313 रुपए का नगद चढ़ावा मिला।

भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, हरिराम गाडरी, रामलाल गुर्जर, किशनलाल अहीर, लेखाधिकारी राजेन्द्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, वरिष्ठ सहायक कालूलाल तेली, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, बिहारी लाल गुर्जर, बालभोग प्रभारी भेरूलाल गुर्जर, गौशाला प्रभारी गंगाराम गुर्जर, सहायक केशियर जितेन्द्र त्रिपाठी, श्रवण शर्मा, उदय नाथ सहित चुनिंदा मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।

आबकारी प्रहराधिकारी के खिलाफ चालान पेश

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों इन्टेलीजेंस यूनिट उदयपुर ने रिश्वत के मामले में आबकारी विभाग सलूम्बर के तत्कालीन प्रहराधिकारी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया।

उल्लेखनीय है कि आरोपी राजेन्द्र प्रसाद द्वारा अपने पद एवं अधिकारों का दुरूपयोग कर परिवादी से उसकी पुत्री के नाम लाईसेन्सी शराब की दुकान निर्बाध चलने देने व परेशान नहीं करने तथा चैकिंग नहीं करने की एवज में 2000 हजार रूपये मासिक बंदी के हिसाब से जनवरी 2023 से मार्च 23 तक के 6 हजार रूपये रिश्वत की माग की गई। जिस पर 31 मार्च 23 को ट्रेप कार्यवाही में परिवादी से रिश्वत राशी स्वयं ही मांग कर लेने से ब्यूरों की टीम ने प्रकरण दर्ज किया था तथा अनुसंधान पूर्ण करने पर आरोपी केखिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपी प्रमाणित होने से आबकारी आयुक्त आबकरी विभाग राजसीान उदयपुर से अभियोजन स्वीकृति प्रापत की गई। इस पर ब्यूरों मुख्यालय द्वारा चार्जशीट के आदेश की पालना में आरोपी के खिलाफ23जनवरी को विशिष्ठ न्यायाधीन भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रम एक उदयपुर में इंटेलीजेंस युनिट उदयपुर की ओर से चालान पेश किया गया।

शेल्टर में नहीं लौटी शेरनी सुनयना, सज्जनगढ़ लॉयन सफारी में अलर्ट

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सज्जनगढ़ अभयारण्य में प्रस्तावित नई लॉयन सफारी की शुरुआत से पहले ही वन विभाग की चिंताएं बढ गई हैं। सफारी क्षेत्र में छोडी गई शेरनी सुनयना बीते 4 दिनों से अपने शेल्टर में वापस नहीं लौटी है। करीब 20 हेक्टेयर क्षेत्र में वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है,जबकि शेर सम्राट तय समय पर शेल्टर में पहुंच चुका है।

- 20 हेक्टेयर में सर्च ऑपरेशन जारी, फेंसिंग के बाहर इंसानी आवाजाही बनी चुनौती
- वन विभाग का दावा है कि 2. हेक्टेयर में फैली लॉयन सफारी में ही सुनयना को देखा गया है और वह शेल्टर में आ जाएगी

सबसे बडी चिंता यह है कि सफारी की फेंसिंग के बाहर लगातार इंसानी आवाजाही बनी रहती है जिससे किसी अनहोनी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि उसे सफारी की झाडियों में देखा गया है, लेकिन लगातार बाहर न लौटने और फेंसिंग के पास इंसानी आवाजाही होने के कारण वन विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। शेरनी की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे से समय रहते निपटा जा सके।

असल में वन विभाग सफारी शुरू करने से पहले शेर के जोडे को वहां छोडा था ताकि उनको नया ठिकाना अभ्यास में हो जाए। शेरनी सफारी में देखी गई लेकिन शेल्टर तक नहीं आ रही है।सोमवार से शेरनी सुनयना सफारी से वापस अपने शेल्टर नहीं पहुंचने से चिंता सताने लगी। लेकिन वन विभाग की टीम को बुधवार को जब वह सफारी की झाडियों में दिखी तो यह मान लिया गया कि वह अंदर ही है। अब एक ही प्रयास है कि वह शेल्टर तक पहुंच जाए।

इसके बाद वन विभाग ने उसकी खोज शुरू की। उसकी तलाश के लिए सफारी के अंदर टॉप वाली पहाडी पर बने क्लाउड.9 के कमरों की छत पर बैठकर वनकर्मी निगरानी कर रहे हैं। ढ ोल बजाने के साथ ड्रोन उडा रहे है इसके पीछे मकसद है कि एक तो जैसे ही दिखे तो उसके मूवमेंट पर नजर रहे और दूसरा वह शेल्टर तक पहुंच जाए।

शेर सम्राट और शेरनी सुनयना को सोमवार को ही होल्डिंग एरिया से खुले बाडे में छोडा गया था। सम्राट तो नाइट शेल्टर में लौट आयाए लेकिन सुनयना नहीं आई। वन विभाग का दावा है कि 2० हेक्टेयर में फैली लॉयन सफारी में ही सुनयना को देखा गया है और वह शेल्टर में आ जाएगी।

वाइल्डलाइफ विंग उदयपुर के उप वन संरक्षक यादवेंद्र सिंह चुंडावत के अनुसार अगले माह लॉयन सफारी के उद्घाटन की तैयारी को देखते हुए शेरों के जोडे को रिलीज किया गया। शेर नियमित रूप से शेल्टर में लौट रहा है जबकि शेरनी को जंगल रास आ गया है। सफारी क्षेत्र में घास और झाडियां ज्यादा होने के कारण वह बार.बार छिप जाती है। कुछ दिन एनक्लोजर में घूमने के बाद उसे अपने खाने.पीने की जगह का पता चल जाएगा।

उल्लेखनीय है कि लॉयन सफारी के लिए शेरों को सज्जनगढ भी लाया गया है। इसके लिए वन विभाग ने एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत गुजरात के जूनागढ स्थित सक्करबाग चिडियाघर से एशियाटिक शेर के जोडे को सज्जनगढ बायोलॉजिकल पार्क लेकर आए हैं। इसमें 7 साल का लॉयन सम्राट और मादा सुनयना 3 साल की है।